



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III)/GENERAL STUDIES (Paper-III) (2424)

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपते साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0940595

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Pritesh Rajput

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख

Date

27/08/2023

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I) GENERAL STUDIES (Paper I)

केंद्र

Centre Delhi (03)

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

महत्वपूर्ण अनुदेश		Important Instructions
<p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>		Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धूमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखाबट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्थानी में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनाधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु
For Official Use

कार्यालय के प्रयोग हेतु
For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए) / Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks
1		11	
2		12	
3		13	
4		14	
5		15	
6		16	
7		17	
8		18	
9		19	
10		20	
उप-योग (A) Subtotal (A)		उप-योग (B) Subtotal (B)	
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)			



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-III)/GENERAL STUDIES (Paper-III) (2424)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

कुल बीस प्रश्न दिए गए हैं जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छापे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are TWENTY questions printed both in HINDI and in ENGLISH.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

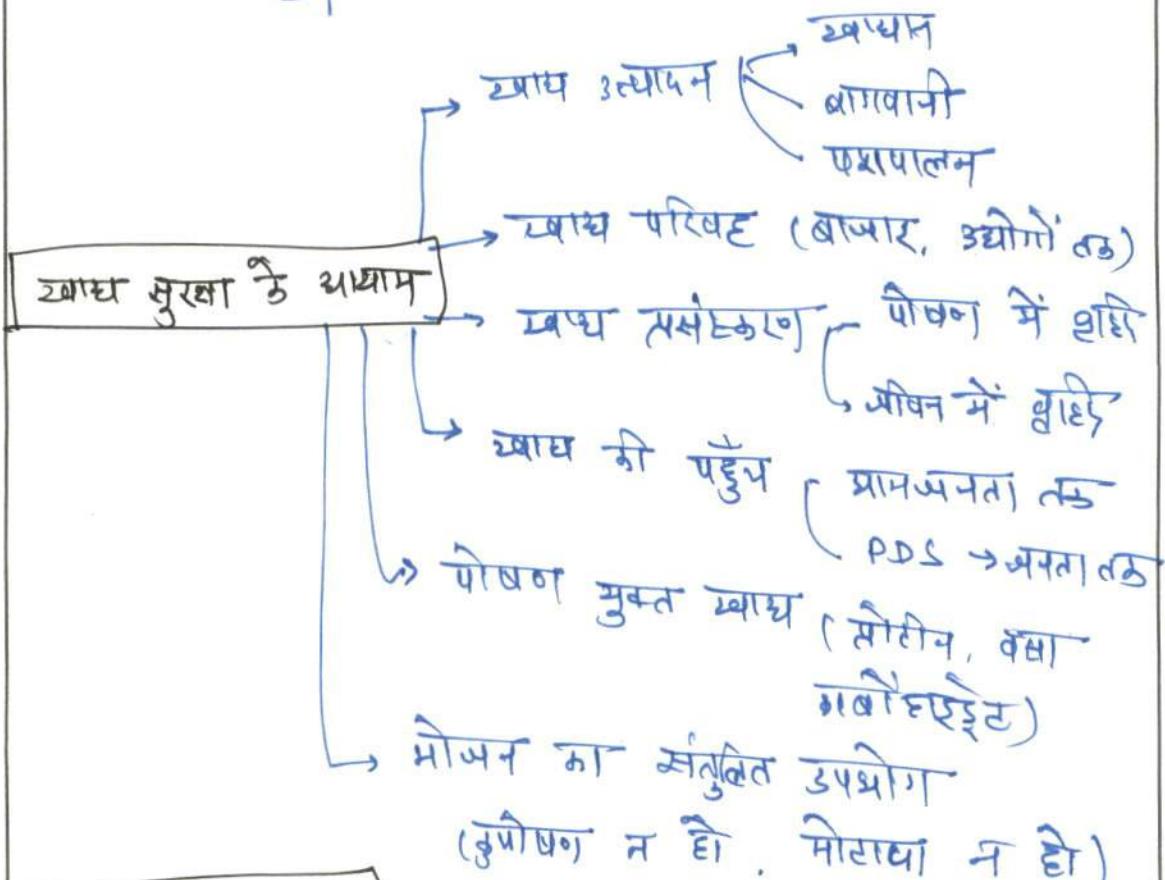
6.

All the Best

1. खाद्य सुरक्षा के विभिन्न आयाम क्या हैं? इन आयामों के महेनजर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के संदर्भ में भारत की स्थिति का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) What are the different dimensions of food security? Examine India's status in terms of ensuring food security with regard to these dimensions. (Answer in 150 words) 10

खाद्य का उत्पादन से व्याकृति तक

खाद्यभौमिक पहुँच खाद्य सुरक्षा माना जाता है
जिससे पोषण रखे रखाये की रक्षित इच्छा
बनी रहती है।



भारत की स्थिति

मुख्यतः

① PDS के माध्यम से 80% प्राप्तियों की

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुआ

अपार्जन गेंद्र

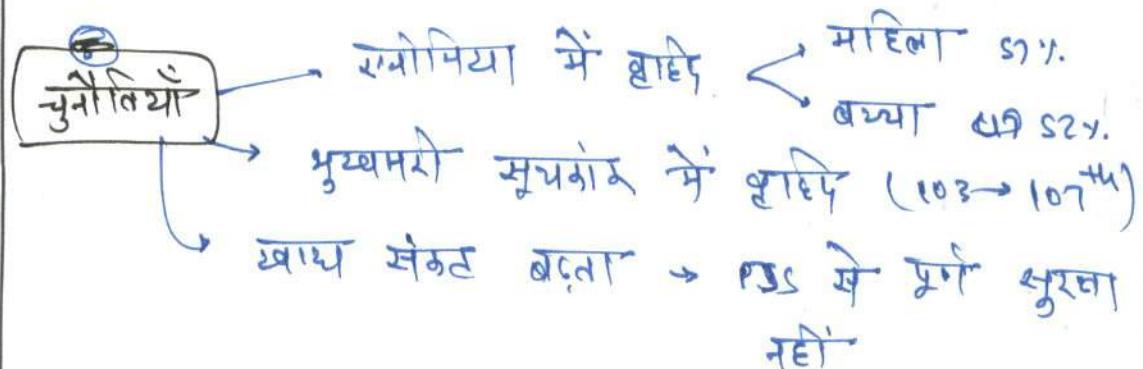
② प्राम जनता के व्याध सुरक्षा द्वय में
लाभग ५०% की हमी घाँटे।

③ छायाचित्र उत्पादन में भारत प्राचीनतमेस्तु बना।

वायान → 350 MT वे प्रधिक उत्पादन

④ उपोषण को दूर करने प्रोटोकॉल व्यवस्था

लागू → कुपोषण में उभी



દ્વારા સુરક્ષા નો બદલે ૧૮૮૮

ਹੈਂਦਾਂ ਅਤੇ ਅਨੇਕ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਕਿਥਾਂ

गाया है एवं तेजी से fit india के लाल संतुलित.

श्रीमन् को बाहर देकर अप्पे शुरका को
मुठोड़ित किया जा रहा है।

2.

ब्लॉकचेन और चैटजीपीटी जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकियां कृषि को अधिक कुशल और संधारणीय क्षेत्रक में बदलने की अपार क्षमता वाले शक्तिशाली साधन हैं। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Modern technologies such as blockchain and ChatGPT are powerful tools with immense potential to transform agriculture into a more efficient and sustainable sector. Discuss in the context of India. (Answer in 150 words) 10

उमीदवारों को
इस शाखिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

ब्लॉकचेन एवं ऐप्सी तकनीक हैं

जिसमें वेहेन्टोकॉर्ण प्राप्ति के लिए ये मूल्यांकित होते हैं।
इनको छाप एवं अनुसार जाता है।

उपर - क्रिप्टोक्रिप्टो

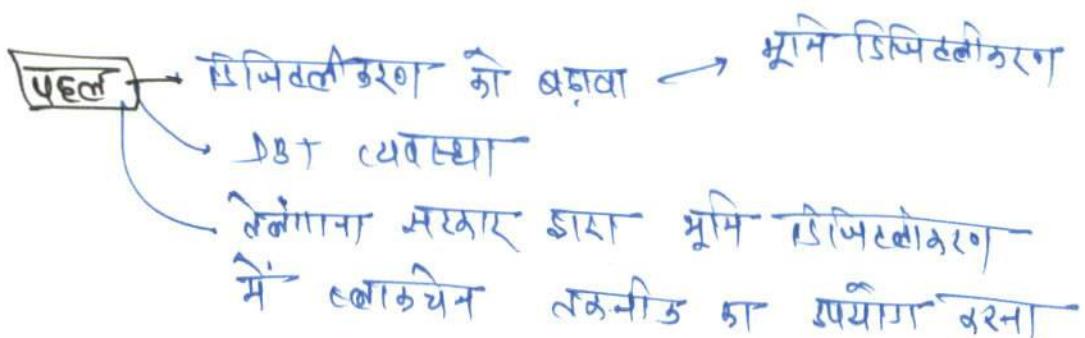
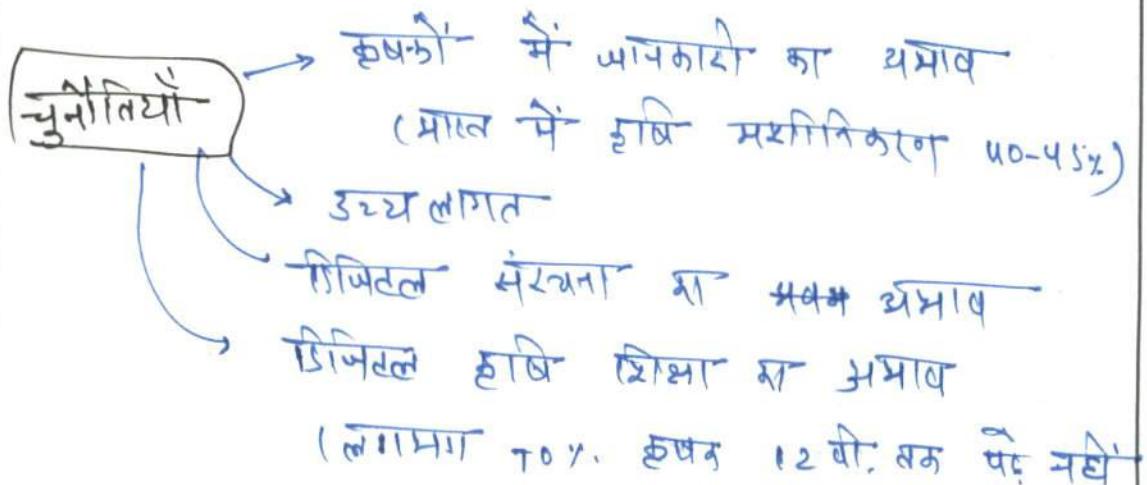
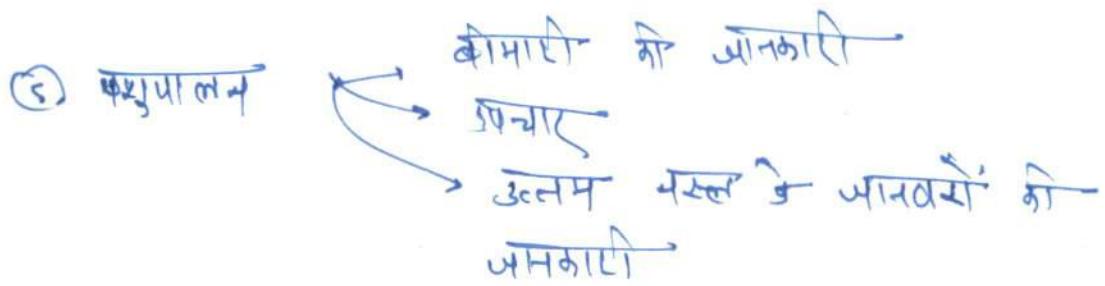
जैट-एप्ट एवं वा सर्वोत्तम इप्टेन
हैं जो यूनिक्रेट्स का विकलेषण कर जवाहरिता
हैं।

(भाग) कृषि में →

- ① उत्पादन अनुकारी
 - जमीन के मनुसार इसलिए विचार का समय
 - ग्रीष्मनाराकों का स्थीण कब किया जाए
- ② प्राप्ति के अनुकारी
 - कब भौति की संधारणा बनावट की उपाय

- ③ इसके को अनुकारी - कब कृषि जिल्हे दाने कम हों

- ④ स्थानीय कोषना
 - पारदर्शी मालिकी (PBT)
 - योजना की अनुकारी
 - PM-किसान
 - soil health card



हाषि अधिकार्यकाली उर अधिकार ते

जिले नवोन नकोरों गरा उलत कर अधि
कुरक्षा के साथ कृषि के धार को दुष्कृति
क्षे के लक्ष्य को ताप्त उत्तिर्का अभाव

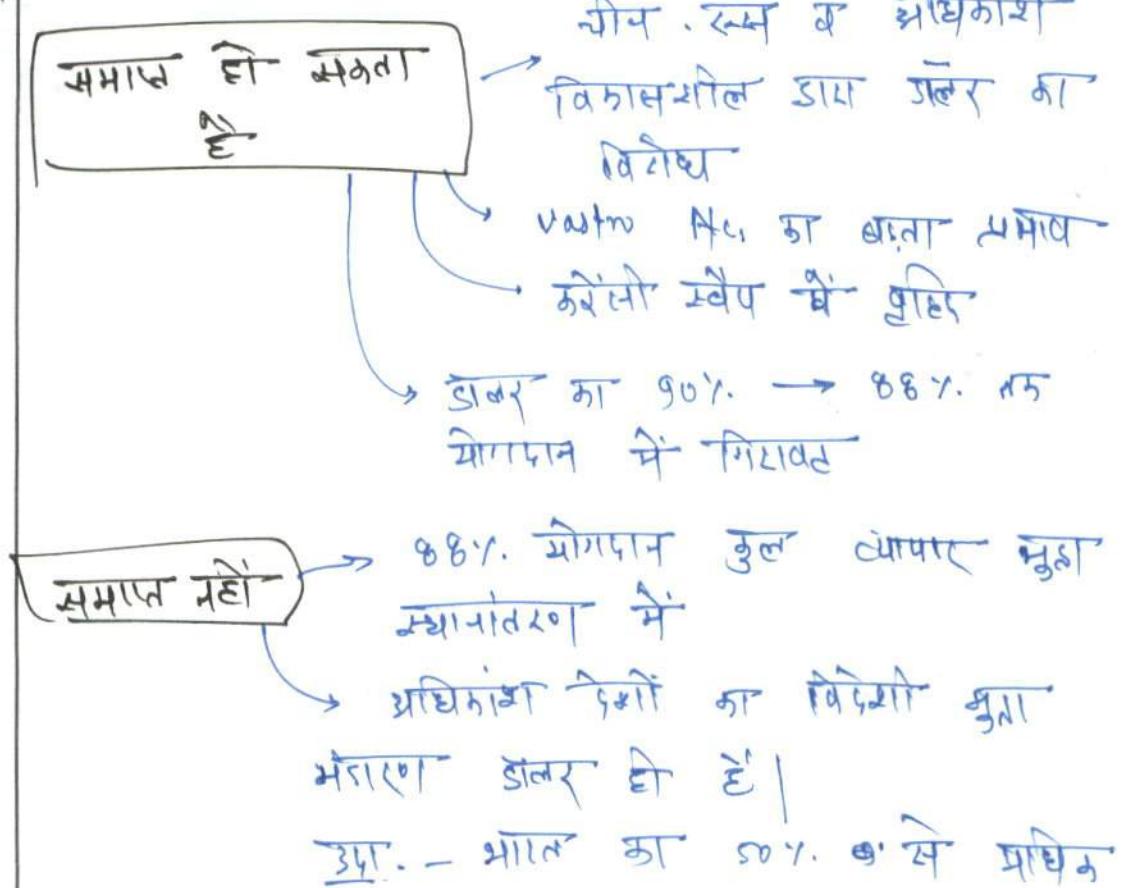
क्षे

3. वैश्विक अर्थव्यवस्था में वि-डॉलरीकरण की प्रवृत्ति में हालिया तेजी के लिए कौन-से कारक उत्तरदायी हैं? क्या आपको लगता है कि डॉलर का प्रभुत्व जल्द ही समाप्त हो जाएगा? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
- What factors have led to the recent acceleration in the trend towards de-dollarization of the global economy? Do you think the dollar will lose its dominance anytime soon? (Answer in 150 words)

वि-डॉलरीकरण से अपशाय वैश्विक अर्थव्यवस्था में संपर्क की तुला डॉलर का उपयोग में कमी से है।

कारण

- ① अमेरिकी न्यूत्व से निकलने वाले वैश्विक उत्पाद
 - ② अमेरिका द्वारा अर्थव्यवस्था में ग्रहणित बाहर कर डॉलर के क्रिमल के बासा (क्षेत्रों द्वारा अपनी मुद्रा का उपयोग)
 - ③ चीन, रूस वा अमेरिका वा विदेश भरना (क्षेत्रों द्वारा अपनी मुद्रा का उपयोग)
 - ④ भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वैपाक की नीति बदलना। इसका भावना से
 - ⑤ रूपों द्वारा धनपत्र रूपों में इसके द्वारा वा अंतर्राष्ट्रीय वैपाक की नीति बदलना।
- इसका भावना से अंतर्राष्ट्रीय वैपाक का विवरण A/C द्वारा दिया गया है।
- ① अमेरिका-चीन व्यापार संघर्ष। चीन वा व्यापार में भागित व्यापार-



विश्व में घोरिका का तथा व्यवहार का राज डॉलरीकरण रहा है फिर यह बहुशुब्दीय विश्व में वे डॉलरीकरण रहा है यह फिरा तथा नह सकता है जिससे आसी ता अनुबन्ध बना जाएगा।

4. विकसित देशों द्वारा भारत पर खाद्य सब्सिडी व्यवस्था में बदलाव करने के अत्यधिक दबाव के बावजूद, भारत के लिए निर्धन व्यक्तियों हेतु अपना नीतिगत समर्थन बनाए रखना एक उचित कदम होगा। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Despite significant pressure from the developed countries to alter its food subsidy regime, there is merit in India trying to retain its policy support for the poor in the country. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस शिल्प में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

खाद्य सब्सिडी के उत्पादन परं
खाद्य मुख्या के मुताबिक इसे भारत तात्पर्य
कुल ५५० का लाभा २-२.५% द्वारा खाद्य
सब्सिडी के रूप में तपान करता है।

खाद्य सब्सिडी

बदलाव का दबाव

① उर्वरक

उम करें → ट्रूडण धम्मा

② गना में खालियो

खापार अत्यवध्या
उपल

③ समाज दबाव

WTO का दबाव

उन्नाए दबाव के लाभ →

① खाद्य मुख्या मुताबिक देखा

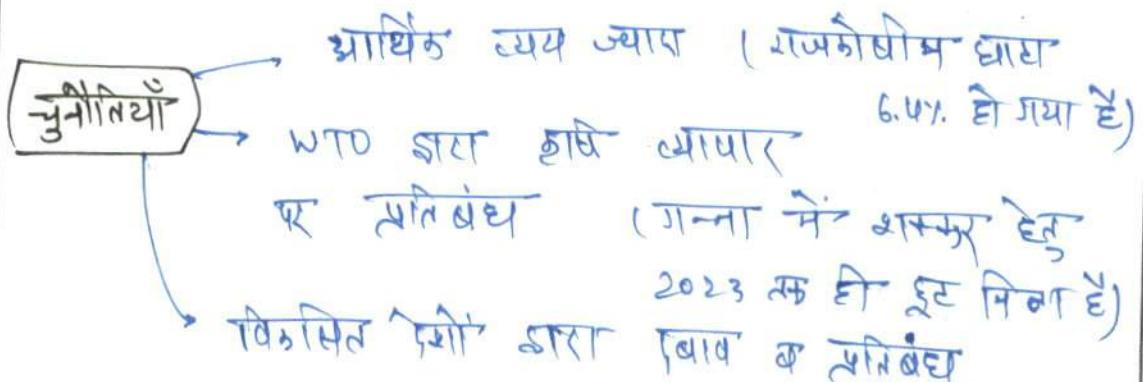
→ १५० ड्रोड जनसंघर्ष को बिना
सर्वियो मुश्किल

② उत्पादन में वृद्धि → दृष्टि नियात देखा

③ इथेनाल (E20) लेख्य डी-प्रूफ - गना उत्पादन
में वृद्धि से

- ④ भारत में व्यापक भूखमरों (सूचनाएँ - १०८th)
जो प्रकाशन में सदाचार होगा।

⑤ जरीबों पर कर्म में सदाचार
बर्बादी में २३ करोड़ ग्राहित (MDP)

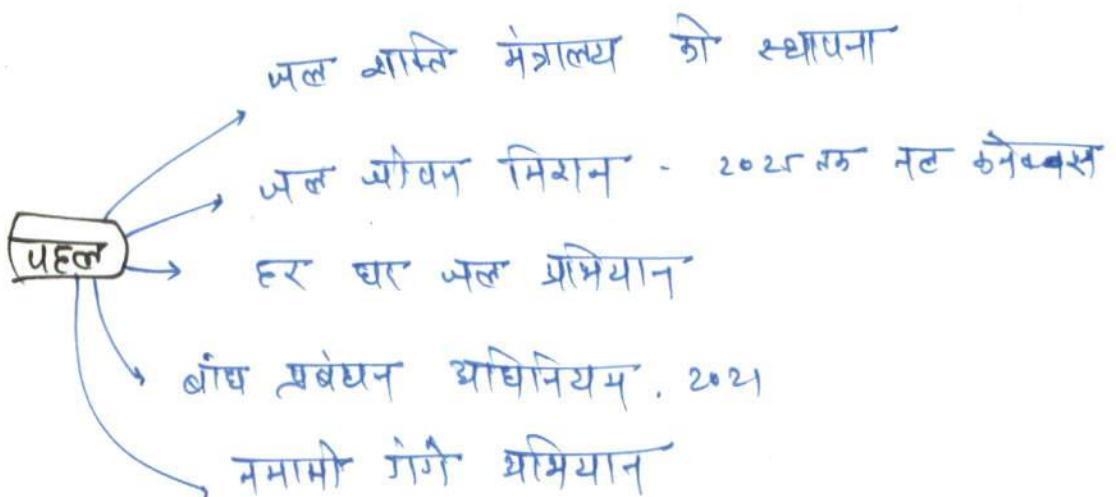


भारत को प्रपें विश्वाल जनतांग्या
की व्याध मुरका बनाए रखने विकलित देशों
के माध्य ग्रामसो समन्वय बनाकर प्रगति बढ़ा-
होगा जिससे २०८ के भूम्यमरी के अंत के
लक्ष्य के लाल लिपा आ सकेगा।

5. भारत की जल संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में सरकार द्वारा कई पहलों की शुरुआत की गई है, परंतु जल की उपलब्धता और जल की गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर अभी भी नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Several initiatives have been taken by the government towards addressing India's water needs, but the issues of water availability and water quality still warrant prioritised intervention. Discuss.
(Answer in 150 words) 10

किंव बैंड के रिपोर्ट के अनुसार
प्रगति 25% में भारत के 60% जिलों में
जल संकट उत्पन्न हो जाता है।



नीतिगत दस्तक्षेप की आवश्यकता क्यों?

- ① भारत में WASH की स्थिति बेकाम से बहुत बर्बाद है। (केवल 30% तक हो)
- ② ग्रामीण भारत में महिलाएं पानी के लिए सातिन्द्र इन मिनट घप करती हैं। (UNICEF)
- ③ ग्रामीण महिला जल के हैलिये दूरी 15000 km तय करती है। (UNICEF)

- ⑤ प्रौद्योगिकों का गज्यों छारा (जल - सम्पर्क सुनी
का विषय) सम्पादी फ़िल्मावयन न करपाना।
- ⑥ गज्यों के मध्य उत्तरां में जल विवाद।
- ⑦ लगातार बढ़ती जनसंख्या ($2021 \rightarrow 1.21 \text{ अरब}$
 $2023 \rightarrow 1.40 \text{ अरब}$)
- ⑧ जैवनाभी व विभागों में श्रीतिगत
समन्वय की कुम्भी
flouride
- ⑨ जल का लगातार विधान देना \leftarrow urine
~~जल की~~ \rightarrow युरोनियम
- ⑩ नदियों में ग्रयोगी डारा लैशन केलना।
(उनमें प्रदूषित है)

जल की साप्ति मानव जीवन के
लिये आवश्यक है जिसके नोतियों में परिवर्तन
मान पड़ता है, परिवर्तन करके WASH व SDG
के लक्ष्य को पाप्त किया जा सकेगा।

6. आर्कटिक में हिमनदों के पिघल कर संकुचित होने के लिए उत्तरदायी कारक क्या हैं? पारिस्थितिकी तंत्र पर आर्कटिक हिमनदों के पिघलने के संभावित प्रभाव का वर्णन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) What are the major drivers of glacial retreat in the Arctic? Describe the potential impact of the retreat of Arctic glaciers on the ecosystem. (Answer in 150 words) 10

VSA के सर्वेभाग यिबाग के

अनुसार प्रारंभिक के बर्फ का स्तरिपि 1.6 हन बर्फ पिघल रहा है ज्या यह अंतिम दूर बर्फ तक पहुँच गया है।

कारण

- ① वैश्विक तापमान → 1960 के बाद में तापमान में 1.7°C की वृद्धि दूर हो।
- ② गर्म मध्याह्निय जलधारा का भ्रान्तिकरण में प्रधिक स्थान चेता करना।
- ③ ध्रुवीय पक्षों जल 6H4 में क्षेत्र ज्ञे बाहर न आने रोना → तापवृद्धि → बर्फ का पिघलना।
- ④ ग्लोबल इंडस्ट्रीज में खो (6H4) का अधिक उत्सर्जन। 1960 में $\text{CO}_2 \rightarrow 312$, $\text{CH}_4 \rightarrow 256$, ध्रुवीय
- ⑤ शहरों स्थापन में ऊपरी और ताप में बढ़ो जा भरा।

प्रभाव

वैष्णव

- मुख्य उत्तर में वृद्धि हो सकता है
- पाइपलाइन प्रोजेक्ट में बड़ी लुप्तियाँ हो सकती हैं।
- अमेरिका के युवों के लिए प्रबल में वृद्धि
- दोटे-दोटे शैया डुब सकते हैं।
उपर्युक्त इंजीनियरिंग के डैप

भारत पर

- लोटों मानवता के बर्बाद में वृद्धि
- नवीय गढ़ों पर वाहनों की वृद्धि
- मत्स्यपालन की विधावा मिलेगा।

पृथ्वी की अस्थिति को बताने

पार्किंग बर्क प्रावधान है जिसे पेषित समस्तोता
र जनानी सामेज के डिफेंश्यों को लाए छह
हाल किया जा सकता है।

7. अंतरिक्ष पर्यटन, जिसे सीधे तौर पर एक साइंस फिक्शन फ़िल्म के रूप में देखा जाता था, अब बिना किसी बाधा के वास्तविकता बन रहा है। अंतरिक्ष पर्यटन से संबंधित चुनौतियाँ क्या हैं? इन चुनौतियों से निपटने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Space tourism, which was viewed as something straight out of a science fiction movie, is now becoming a reality albeit not without hindrances. What are the challenges associated with space tourism? What measures can be taken to address these challenges? (Answer in 150 words) 10

पूर्णी के निम्न क्षा. मध्य. क्ष.,
बाह्य प्रतिक्ष. तथा अ-य घोलीय पिंडों का
पर्यवेक्षण की प्रतिक्ष. पर्यटन क्षा. जाता है।

कुनौलियाँ

① ડાંતરિભુ પર્યાવરન પ્રલયધિન મદ્દગા છે।

उपा - स्पेल x डा निकट 200000रुपये था।

② अंतरेस सूधणा ग लगातार बङ्गा ।

३५. फ्रॉ इरा \rightarrow १८ लाख रुपये (१०७५ मध्ये)

③ अत्यधिन् इस तकनीक की माध्यकता -

प्रतिष्ठा में शाकर पुनः वापसी के लिये।

(ii) ਮਸੂਦ) ਫੇਰੀਂ ਵਾ ਜਨਾਧਿਕਾਰ ਵੀ ਸੰਮਾਨਨਾ।

उत्ता. - प्रमेहिका मेरे ज्यादा अंतिम पर्फैन

⑤ छोड़नियो कुम्हानियों ना स्काधिकार हेना।

ટ્રેક - space x. blue મૌરાદિયા

उपाय

UN ने 1993 में किया गया बोर्ड

अंतर्राष्ट्र समझौता

- अंतर्राष्ट्र मलबा होने अंतर्राष्ट्र शास्त्रीयि
व अधिकार → दृष्टन, पार्टी बल इस्तु
सेटेलाइट
- अंतर्राष्ट्र पर्यटन हेतु वैश्विक शास्त्रीयि का
प्रिमाण करना
- सभी देशों व क्रांतियों तो प्रवर्लास
सामन करना
- अंतर्राष्ट्र पर्यटन लाभ कराने का माध्यम
तो भरम खतरा को ताप्त न करे - जीति

सनराइज़, इंटरनेलर, फ्रेविरी, मार्शियन

की तरह अंतर्राष्ट्र में भाषा प्रादूर्भाव का ज्ञाना
वाल्वाकेन दुग्धा है किंतु इसे विनियामित करने
की यावधानता है जिससे पर्यटन के इस्तु
परा आपाम् का लाभ उठापा जा सकेगा।

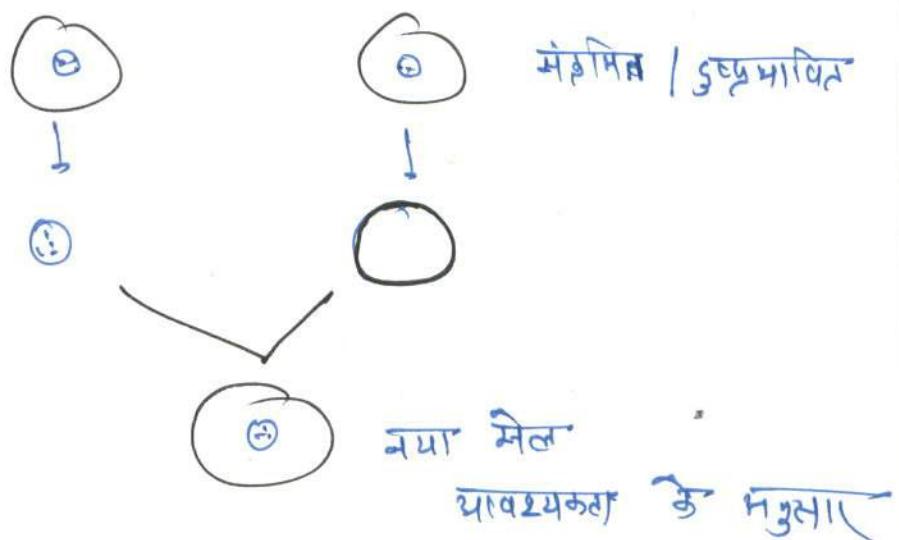
8.

वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञ व्यापक रूप से मानते हैं कि CAR-T सेल थेरेपी का विकास कैंसर के उपचार में एक बड़ी सफलता हो सकता है। CAR-T सेल थेरेपी, CRISPR-Cas9 तकनीक में व्याप्त कमियों को कैसे दूर कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Global health experts widely believe that the development of CAR-T cell therapy can be a game changer in the treatment of cancer. How can CAR-T cell therapy overcome the limitations of CRISPR-Cas9 technology? (Answer in 150 words) 10

CAR-T सेल थेरेपी DNA के

बोगिया के परिवर्तन पर प्राधारित है जिसमें
आवश्यक गोणिकीय भ्रंग को अन्य गोणिका
में इंटरफ्लोट छिपा जाता है।



इसके पार्श्वमें उत्क्षर के विभाजन होने
में गोणिका के तुन को इर बर छिपा जाता है।

CAR-T सेल जारा CRISPR-Cas9 की उमी को इर —

① DNA के अभावित भ्रंग को दूर की
आवश्यकता नहीं होती।

② CRISPR-Cas 9 में DNA पर इसरे DNA
के ग्रानो कभी - कभी अधिकार नहीं

↓
CAR-T सेल तकनीक में यह नहीं होता है।

③ CAR-T सेल डेसर जैसी मसाध्य बीमारी
को हर कर्म में सहायक है। CRISPR
-Cas 9 में नहीं

④ CRISPR-Cas 9 से CAR-T सेल तकनीक
सरल हर कम लागत वाला है।

बायोटेक की उनिया में बढ़ती
रहे - रहे तकनीक में नये - नये उत्तेजित जन्म लेने
हैं ऐसे हर कर्म जीतियों के सम-वय का
सदाचार लेकर मानव जीवन के उत्तर्प्रभ बीमारियों
से बचाया जा सकता है।

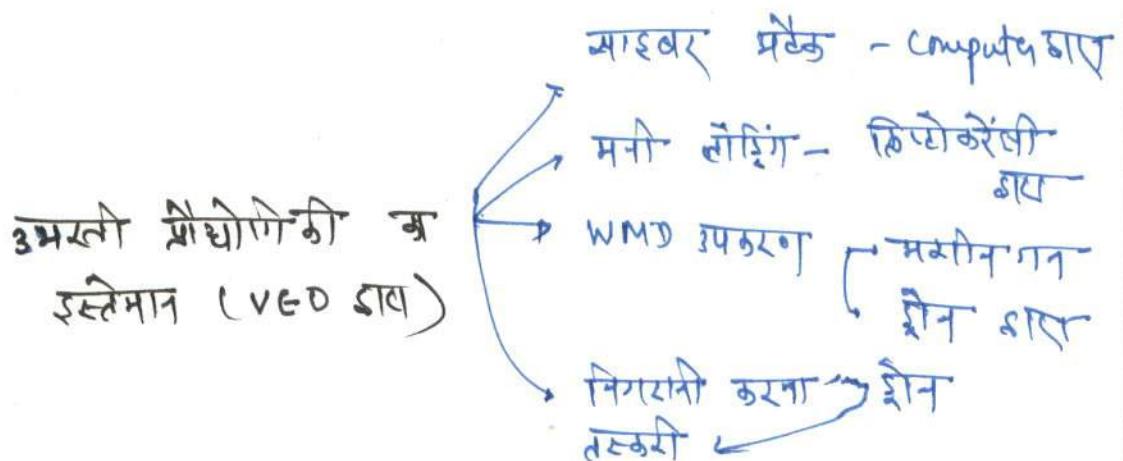
9.

चर्चा कीजिए कि प्रमुख हिंसक चरमपंथी संगठनों द्वारा नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के बढ़ते इस्तेमाल के विरुद्ध संगठित एवं ठोस वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता क्यों है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss why the rising deployment of new and emerging technologies by prominent violent extremist organizations demand concerted global efforts. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस हाइलाइट में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

राज्य गरा बनाए गये ग्रनूपो
के विपरीत ज्ञान भाषा जनता के मन में
प्रय रखें सरकार ने नुस्खों तथा छना
हिंसक धार्य कहलाता है।



प्रधान की आवश्यकता

- ① माध्य रिट्रॉस्कोप उपकरणों के उपयोग की शोकना।
- ② नुस्खों के प्रांतरिक शुरका की धनाए रखने। प्रेस - भारत में नम्बलवार, घातकवार।
- ③ वैष्णवी स्तर पर विश्व शोलि गणन करना।

④ वर्तमान में वैश्विक सेक्युरिटी का प्रभाव)
उम्रती तकनीक ना वित्तिमयन हेतु

① द्वाष, IITI, डिजिटल स्क्यूरिटी संगठनों
में उम्रती तकनीकी में → इंसक बढ़ना
को बढ़ने की स्पष्टता]

उपाय → UNO द्वारा वैश्विक गोकि का अधिभोग वरना
चरम संगठनों के सदों में तकनीकों के
पहुँच को कोकना |
जैसों जारी प्रपते - प्रपते स्तर पर द्वाष करना |
जैसे भारत → MPLA, 2002
NIA,
CERT-IN

वैश्विक मांति की स्थापना में
इंसक चरम पंथी संगठनों के हाथों में उम्रती
तकनीकों की पहुँच में त्रुट्य बाधा होगा
इसे ऐसों के ग्रापली के वैश्विक समन्वय के
एक ऊर्जा विश्व मांति की स्थापना की आज्ञा
है।

10.

गलवान और यांगस्टे की घटनाओं के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर तनाव बना हुआ है तथा भारत एवं चीन दोनों सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने बुनियादी ढांचों को सुदृढ़ कर रहे हैं। इस क्षेत्र में ITBP द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

With the Line of Actual Control (LAC) remaining tense after the Galwan and Yangste incidents and both India and China ramping up infrastructure in the border areas, discuss the role that ITBP plays in the region. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारी को
इस शीशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भारत और चीन सीमा 4028 km

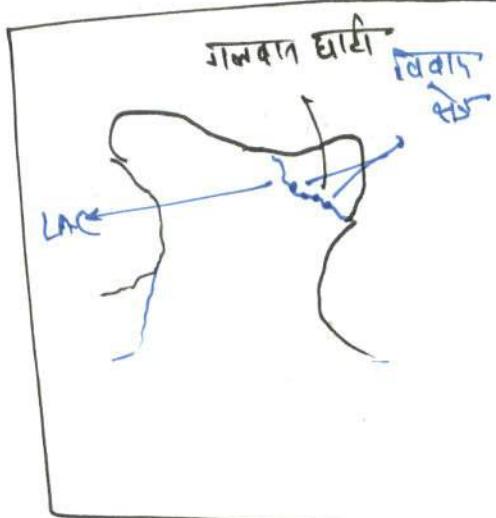
छोटी सीमा रेखा बाला छोटे हैं जिसके ममय
ममय पर सीमा विवाद होता रहता है।

बुनियादि दंभे ग विवाद →

चीन → ① बिंजियांग प्रांत के
लोक असार्दी चीन के
सीमा तक।

② मैन्य दूरविधों का विवाद

③ बायुथानों के लिये उ एयर बेस



भारत

भर्गोचल प्रांत के कुछ लोकांश के
सीमा शेरों-मस्तक तक पहुँच मार्फ
मैन्य दूरविधि
एयर बेस
खिप्प, पुल, टन्टु → परिवहन हेतु

ITBP (भारत - रिहवत सीमा पुलिय) की भूमिका -

① भारत-चीन की सीमा का सुरक्षा करना)

- ② चोन के अधिकारों को भारतीय स्थीमा में
धुक्के से बचाना।
अबे - गलवान घाटी में।
- ③ स्थीमा से पर लगातार ग्रन्ती लगाना।
- ④ तस्करी < दृष्यपरिसरों का
नागिले परामर्शों का को बचाना।
- ⑤ स्थीमा केजों पर रहके बोले जवाहरलाल को
शुरका स्पान करना।
- ⑥ वीप धरा अपहरण करने पर जवाहर देना वा
शुरका करना।
- ⑦ स्थीमा पर आधारभूत संख्याओं के निमोन में
सहायता स्पान करना।
- चोन की सामूहिकताओं स्वतंत्रता
के द्वारा भारत अपने स्थीमा को शुरका ITBP
एवं प्रशासी ① तरों में कर्के अपनी सम्प्रमुला
व धार्तरिक शुरका को शुरसित करने में
सफल रहा है।

11.

क्या आपको लगता है कि भारत को 'भूमि उत्पादकता' के सिद्धांत को छोड़कर 'सिंचाई जल उत्पादकता' के सिद्धांत को अपनाने की आवश्यकता है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। यह बदलाव करने में कौन-सी चुनौतियां विद्यमान हैं? व्याख्या कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Do you think there is a need for a shift from 'land productivity' to 'irrigation water productivity' in India? Justify your answer. What are the challenges in making this shift? Explain. (Answer in 250 words)

15

उम्मीदवारी को
इस प्रश्ने में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भूमि की सति बेक्षेय उत्पादन के उसकी उत्पादकता कहा जाता है। भारत में प्रारंभ में ही भूमि की गुणवत्ता की बढ़ाकर उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान रखा है।

सिंचाई जल उत्पादकता —

सिंचाई जल जल की संचारणीय उपलब्धता में हाथ में उत्पादन की बढ़ाना।

प्रावधानकर्ता

भूमि उत्पादकता
।

↔

सिंचाई जल उत्पादकता
।

- | | |
|-------------------------------|--|
| ① भूमि का बेसर दौरे जाना | - सिंचाई से भूमि की बेसर होने का समावना हम। |
| ② भ्रष्टाचार की प्रावधानकर्ता | - जल का संचारणीय तथ्योग देता है। |
| ③ उर्वरकों का आधिक प्रयोग | - उर्वरकों का इम प्रयोग की प्रावधानकर्ता |
| ④ भूमि संरक्षण से संबंधित | - उर्वरकों का कम प्रयोग से संरक्षण कम होता है। |

- ⑥ भूजल के सबर ने → भूजल रिसर्च को
कम करता है वर्षा देता है।
(४०% भूजल का
उपयोग)
- ⑦ समय के साथ → उत्पादन त्रिय बना
उत्पादन कम रहता है।
- ⑧ जल का उपयोग दक्षता → जल की दक्षता ८०-८५%
३०% से कम रहता है।

कुनौतियाँ

- ① हाथि उत्पादन नीतियाँ मुख्यतः शूमि उत्पादन पर प्रधारित है।
जैसे - हाथि नियोन नीति में उत्पादन बढ़ाना
- ② बिंचाई के सभी परंपरागत बाधनों का उपयोग - ताजाब, खल उत्पादन उत्पादन विधि -
- ③ गलायनों में सरकार गरा प्रधिक आवधि देता है - प्रारिपा में १५०% साधिकी
- ④ नहरों का जल सभी आट में देता है - द.ग. बारथड, पुर्वोत्तर आफ

⑤ सिंचाई के ग्राम्यतिक नक्शों को न अपनाए।

→ महेंगा प्रधिक
→ इष्ट रथ्यावाच प्रधिक

⑥ १९७४ ईश्वर मन्दिर भाघारित है जिसके सिंचाई जल की प्रवर्पणता आस्ति होती है।

सरकारी उपाय → PM ईश्वर सिंचाई योजना
 → नदी जोड़ी-परियोजना
 → नदीों का निर्माण में वृद्धि
 → बांधों का निर्माण → भू सरकार सरोवर दिवारी
 → धारा की DRI विधि को बढ़ावा देना।

श्रींगी की राज → सिंचाई नीति की वराया जाए
 → कर्तिगेनपत्र व्यवस्था को बढ़ावा देना
 → नदीों नक्शों पर भूत् सामिजी लोन

भूमि की गोरती उत्पादकता डॉ इन

करने व छाप सुरक्षा को मुनिषित करें। सिंचाई जल उत्पादकता इन नहीं प्रेरणा स्तरान नह भर्जा है जिसे छाप भूमि को भूत्यापलीकरण को रोकने सेवानीय विनाश को बढ़ावा दिया जा सकता है।

12.

भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने में हरित हाइड्रोजन की भूमिका का परीक्षण कीजिए। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, भारत की अपने ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में किस प्रकार मदद कर सकता है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

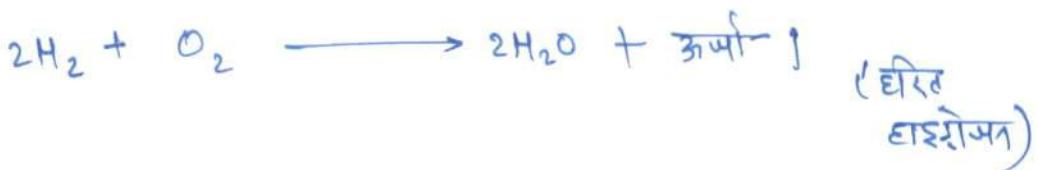
Examine the role that green hydrogen can play in unlocking the energy security of India. How can the National Green Hydrogen Mission help India in achieving its energy goals? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों द्वारा
इस छात्रीय में
नहीं लिखना
चाहिए।
Candidates
must not
write on
this margin

15

ग्राहन प्रप्ति ऊर्जा द्वारा सुरक्षा होती है।
85% पेट्रोलियम व 55% LPG का नियोग बढ़ता है।

हरित हाइड्रोजन — हाइड्रोजन का नवीकरणीय ऊर्जा
इस इलेक्ट्रोलिसिज करके ज्वार्प्ट प्राप्त होता है।
हरित हाइड्रोजन उत्तमता है।



श्रमिक लग्न

① हाइड्रोजन के उत्तमता ऊर्जा सेवाओं की
नुस्खा में ज्यादा (ज्वामा $\rightarrow 1.5 - 2$ ग्रूम्ब)

ऊर्जा साप्त देती है।

② हाइड्रोजन नैंब ग्रहण में पुरे विष्व, भूमध्य
में संघर्षन है।

③ पर्यावरण सुरक्षण नदियों देता है।

मुमोतिधाँ

लागत अधिक - इलैक्ट्रोलिजिस्म तकनीक
मध्ये

रस्तमार में भारत में कौयले से दृष्टि
जल्दी बनाया जा रहा है।

प्रोजेक्ट + परिवहन  २०० बार में १००
अक्ता है।

राष्ट्रीय, राज्यीय



Leafy घर में चलता

ग्राज्यो द्वारा दृष्टि दृष्टि अभियान

- प्रक्रिया  ① ऊर्जा सुरक्षा को दृष्टि करना।
 ② २०३० तक प्रतिवर्ष ५MT दृष्टि-
दृष्टि अभियान का उत्पादन।
> ③ पंचामूर्ति लक्ष्यों को दृष्टि करना।

मुद्दे

- ① ऊर्जा की विद्युती मांग को ऊर्जा करना।
- ② ऊर्जा प्रणाली को बढ़ाकर ऊर्जा की
व्यवस्था को नम बनाया है।
- ③ स्पृष्टि नैसर्जिक का उत्पादन नहीं करना।
- ④ दृष्टि अभियान के उत्पादन हेतु सुनियोजित
कार्यपादी करेगा।

- ⑦ इरिन शैक्षीण उत्पादन उसे बढ़ाने से लेखनों
को बजट व ए शैक्षीणिकी सहायता
सपान और सकला है।
- ⑧ सास्कृति सपान कर सकता है।

भारत विद्या में 5th छाड़ी घटन
बाला देगा है शैक्षीय सैक्षीण मिशन इस अधीन
के मांग को छाड़ी भर 2070 तक घपने का
नेट जीरो नार्थन उत्पादन के लक्ष्य को पूरा
कर सकता है।

13.

हाल के दिनों में, सरकार न्यूनतम पारिश्रमिक की जगह जीवन निर्वाह पारिश्रमिक को अपनाने पर विचार कर रही है। भारत में जीवन निर्वाह पारिश्रमिक को अपनाने के लाभ और इसमें विद्यमान बाधाएं कौन-सी हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The government has been weighing a transition from minimum wage to living wage in recent times. What are the benefits and constraints in the adoption of living wage in India? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों के
इस लाइट पे मे
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

15

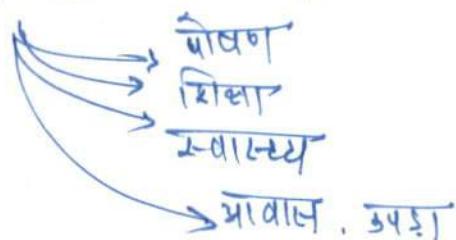
किसी व्याप्ति के भाव ते बोले

निर्धारित न्यूनतम पारिश्रमिक प्राप्त होता है जिससे उम नहीं आधा जा सकता है, यह पारिश्रमिक जीवन निर्वाह को संपर्कित नहीं करता।

जीवन निर्वाह पारिश्रमिक अपनाने के लाभ -

① जीवन निर्वाह के ग्राम्यकाल प्राय की प्राप्ति हो सकती।

→ ② जीवन निर्वाह के मावश्यक संत्यानों की सुरक्षा से पुर्ण हो सकती।



→ ③ प्रभालियों का प्रति व्याप्ति प्राय में वृद्धि हो सकती है (30% वृद्धि की घेंगाना)

→ ④ जीवन स्तर में इजाज हो सकती है।

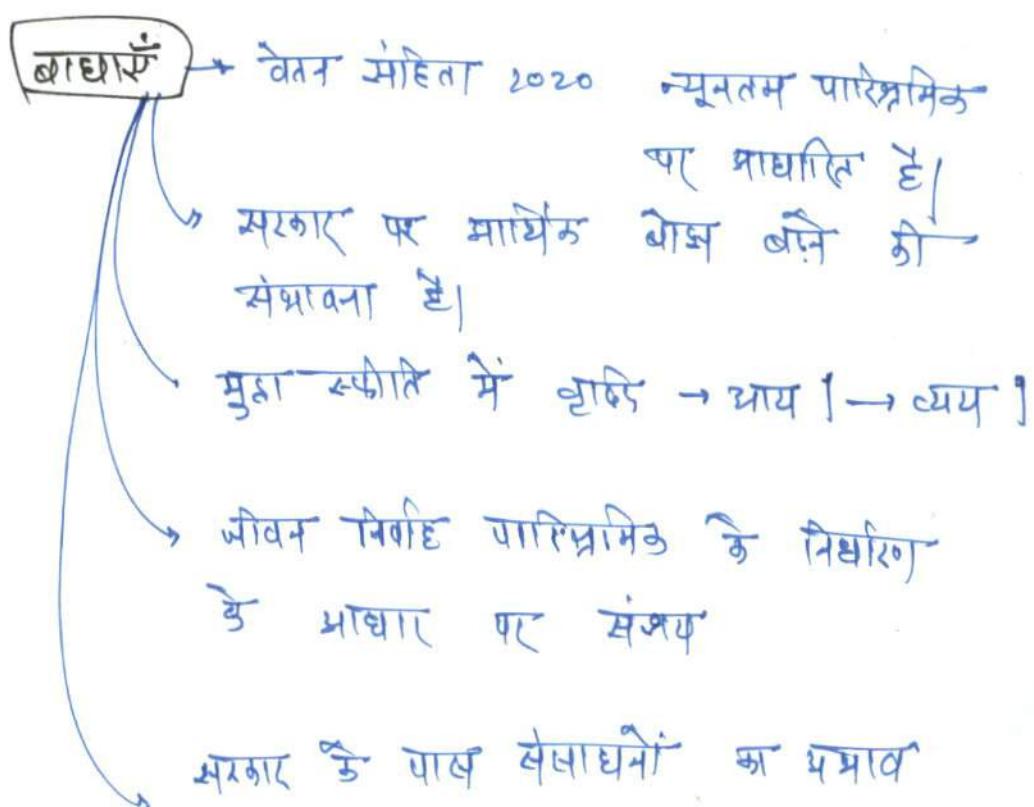
→ ⑤ गरीबी में डमी भा सकते हैं।
(वर्तमान में ८२ करोड़ गरीब हैं)

→ ⑥ धाप प्रखमाता में डमी भा सकते हैं।

किंव अखमाता रिपोर्ट 2022

17. छोर्ज अमीर → ५०% संसाधन
५७. निम्न व्याप्ति → २७. संसाधन

⑦ संसाधनों का उचित प्रयोग सुनिश्चित हो सकता



योगे की जट

- जीवन निवाद पारिक्रामिक नीति बनाया भए-
- भाष्यार बनाने व नियत करने से
विशेषताओं को जमीनी तैयार करा
सकिए।
- अखण्ड धरा इनून बनाकर अपनी निजी
व वार्तानिक स्थानों में लाए करवा
आहिए।
- भ्रति धाराघर व्यापियों को स्थानिकता
के साथ स्मारेम डरा आहिए।

मोरिधाने ने मनुष्य के जरा

जीवन ठा प्रधिकार दिया है जिसे गुणवत्तम् दुर्ण→
जीवन के इन्ह में जीवन निवाद पारिक्रामिक
डरा नहीं दिया स्थान करने की सकता है।

14.

केंद्रीय बजट भारतीय अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्रको प्रभावित करता है, फिर भी न तो बजटीय प्रक्रियाएं पर्याप्त सार्वजनिक जांच के दायरे में आती हैं और न ही बजट नीतियां क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The Union Budget affects almost every sector of the Indian economy, yet neither the budgetary processes nor the budget policies come under substantial public scrutiny. Do you agree? Justify your answer. (Answer in 250 words)

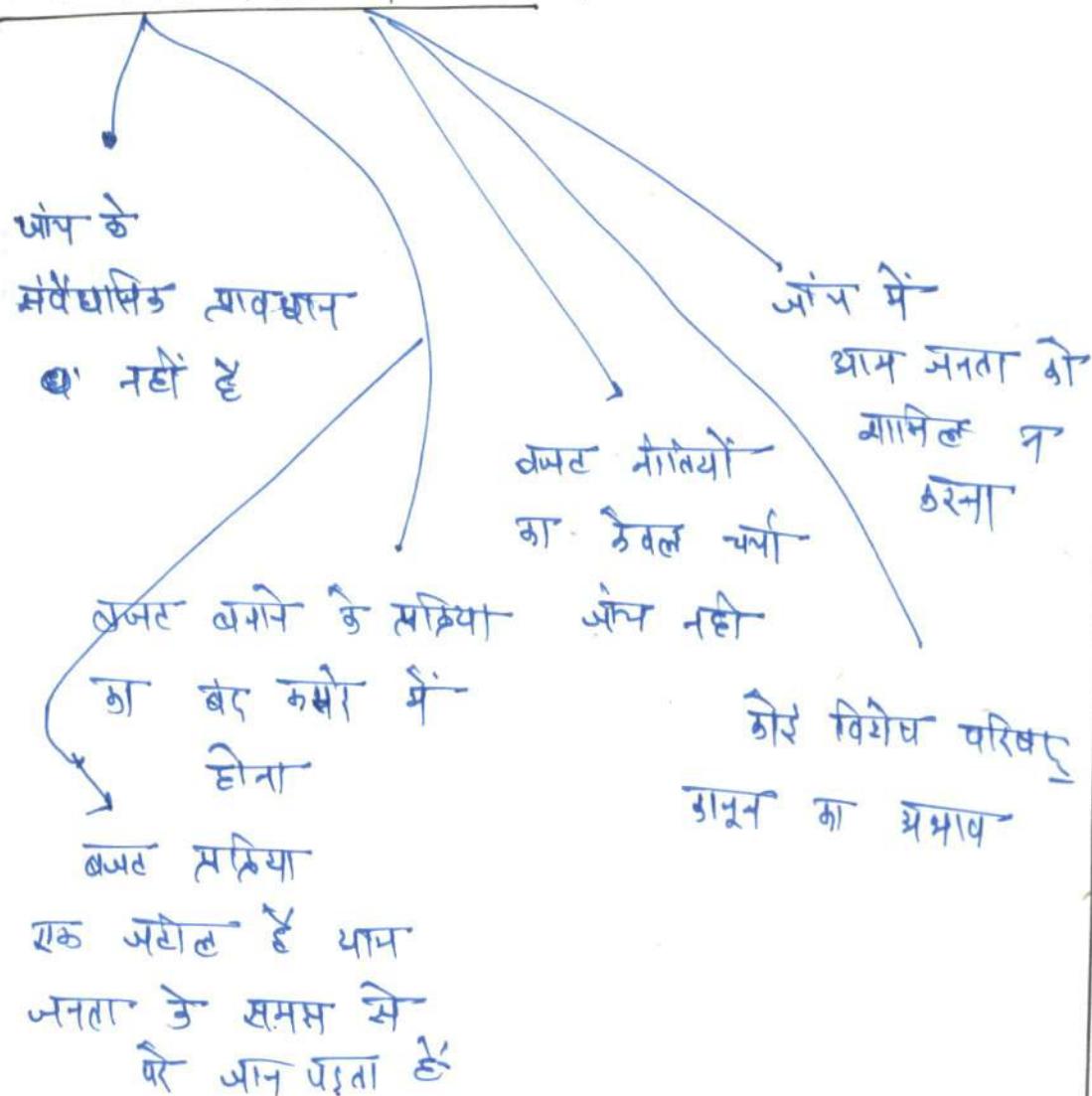
उम्मीदवारों को
इस शीर्षिका में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

15

बजट बजट के ऐक विवेच्य

वर्ष में आप - त्यय का लेखा जीवा होता है जिसमें सभी क्षेत्रों को गामिल किया जाता है।

ग्रावेस्टिड फर्मर में नहीं →



ज्ञाय के पापर में

बजेट स्थिरादृ

राष्ट्रपति के पूर्व अनुमति के बाद
सेवद (लोकसभा) पटल पर
(प्र. 112)

विनियोग विधेयक डारा नियंत्रण
मतदान डारा की बजट के धन
संखर के अनुमोदन पश्चात् निकाली
CAH डारा व्यय पर भोक्ता बना
लोक लेखा निधि डारा जांच कर
लोकसभा में रिपोर्ट दर्शना

बजट नीतियाँ

- उद्दीप्त स्वतान्त्री डारा नीतियों पर
हुए व्यय पर नियंत्रण देवा जाता है।
- लोकतंत्र की व्यवस्था → चुनाव डारा
सरकार की दृष्टिकोण।
- अपना की मोर्ग के अनुरूप नीतियों
का निर्माण
- दबाव समृद्ध डारा नीतियों के निर्माण
में घोरखलन

उम्मीदवारों को
इस ब्लॉकेट में
नहीं लिखना
चाहिए।
Candidates
must not
write on
this margin

भलः कल्पय बघट पर गनुनो
बैधत शालकर हमे तथावी बनाया जाना चाहिये
जिससे बघट के लोडब्ल्यूअमारी इटेंपों डो
गंमीरता पूर्वक उचित घ्यय के आध पूर्ण
किया जा सके।

15.

भारत स्वयं को दूध की कमी वाले देश से दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश के रूप में बदलने में सक्षम हो गया है, लेकिन देश में डेयरी पशुओं की उत्पादकता चिंता का विषय बनी हुई है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

India has been able to transform itself from a milk deficit country to the world's biggest milk producer, but the productivity of dairy animals in the country remains a concern. Discuss.
(Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को
इस लिखित में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भारत जहाँ 1960 के पाल में
2-3% वैष्णव भागीरथी के साथ था तो—
अब इन्हें उत्तर प्रांत माझ वैष्णव हिन्दूपाली में
25% का योगदान देता है।

उत्परो पशुओं के उत्पादकता वित्ता का कारण —

① उत्पादकता बढ़ाव कम है—

भारत → 11 लीटर / पशु

विष्णु का औसत - 25 लीटर / पशु

② ③ दूध में गृहण की मात्रा में कमी—

भारत → 12-14%

विष्णु → 28-30%

④ भौमिका की गांठों की अधिकता - लगभग 80%.

⑤ पशुओं में बोमारी की बढ़ती संख्या

→ दूर इंड माझ डिसिप्स (FMD)
एन्ट्रोक्स

⑤ जर्मनिया की पर बढ़ने से उष्ण उत्तरांत में कैसी -

भारतीय पशुओं 2-3 गर्भावान वा छोड़ों के जन्म के बाद ५७% उष्ण की गिरावट।

⑥ पर्याप्त व स्वस्थ चारा का प्रिल लगाना।

१) चारागाड़ों की दृक्ष
२) चारा छलों के स्थान पर व्यायाम लगाना।

⑦ पशुपालकों द्वारा वर्षीय तकनीकों को बढ़ाना

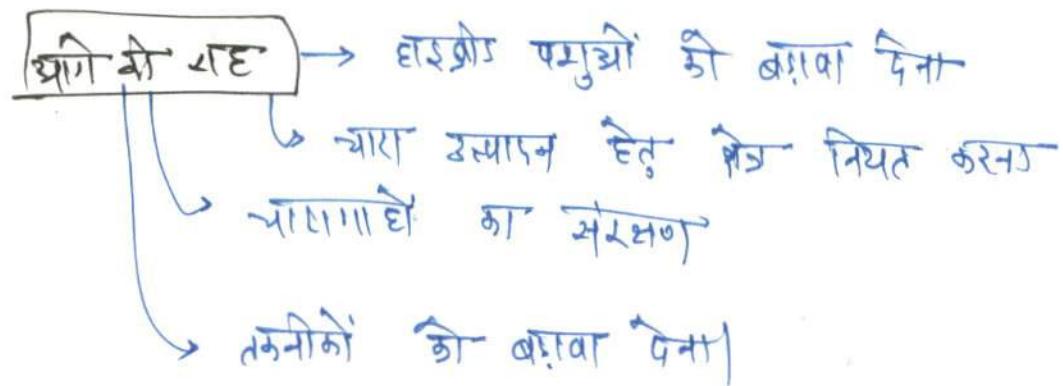
उर्द्धे में असर्वर्थ होना।

⑧ लकड़ी को जा बनाव

मिक्किंग
अंग्रेजी ट्रॉप. मेंसर छिट्टेश्वर
गर्मकाल का पता लगाना।

भरकार के प्रयास

- गोकुल बिगन
- पशु बोआ कराना
- सपथ - सपथ पर बोमारी से बचने पशुपालन विभाग द्वारा सिर्फ़
- विद्यो नहर के पशुओं की अतिरीक्ष पर खालिकी।



भारत विश्व का ईर्घरी है।
है जिसे धोर्द प्रांगो वास्तुर विश्व की मिल
जी कमी से इस करने के पौष्ण भुक्ता
को बनाए रखने भारत महत्वपूर्ण दोगदान
है सकता है।

16. जहां एक तरफ जलवायु परिवर्तन, फसल की विफलता के लिए जिम्मेदार है, वहीं दूसरी तरफ चरम मौसमी घटनाओं के लिए कृषि क्षेत्रक स्वयं आंशिक रूप से जिम्मेदार है। विवेचना कीजिए। भारत में कृषक समुदाय की प्रत्यास्थता को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय कृषि आपदा प्रबंधन योजना के तहत क्या रणनीति अपनाई गई है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

While climate change is responsible for crop failures, the agricultural sector itself is partly responsible for extreme weather events. Discuss. What strategy has been adopted under National Agriculture Disaster Management Plan to strengthen the resilience of the farming community in India? (Answer in 250 words)

15

उम्मीदवारों को
इस प्रश्नाएं में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भनुदूल जलवायु होने पर
फसलों का उत्पादन प्रधिक देना है निन्तु
कृषि में प्रदूषण से देना है।

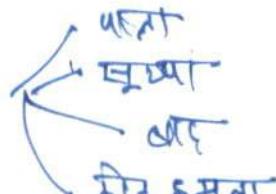
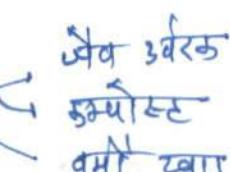
जलवायु परिवर्तन में फसल की विफलता →

- ① तापमान प्रधिक होने पर → सूखा से फसल कम।
- ② अनापक बर्षा → फसलों के छलों पर
नकारात्मक प्रभाव
- ③ फसल कोरों का अनुदूल
दरा का नियोग → कृषि, फसलों पर
किसी दौरी में स्कोर्ष
- ④ बहवाद, लाल → फसलों को नष्ट कर देते हैं।
- ⑤ प्रधिक पानी पड़ना → फसल जम जाते हैं एवं
मृत हो प्राप्ति है।
- ⑥ कम बर्षा या
सूखा → फसलों को नमी सूख नहीं
उत्पादन कम।

छापे क्षेत्र में भरम चौलपी घटना -

- ① छापे श्रमि, पशुओं डारा टाप का उत्तराधिकारी
जबलपुर परिवर्तन में योगदान
- ② छापे के पशुओं रखाथन → स्थीर हाउस प्रेसो
का उत्तराधिकारी
- ③ चुनाव, बिंचरि → श्रमि का भरम अधिकारी

राष्ट्रीय छापे यापना संबंधन घोषना →

- ① छापे में छिपी श्री यापना 
- इत्यादि में सरकार डारा संबंधन रखे
कुमावना।
- ③ परम्परागत रुप संघाणीय छापे की ओर
रहना।
- ④ जैविक छापे को व्यापार रोना। 
- ⑤ छापे का मर्मानीकरण करना।
(वर्तमान में 40-45%)

- ⑤ हाथी के लेज भी प्रपत्त पुर्वो चेतावनी
स्वगती का उपयोग करना।
- ⑥ प्रपत्त ने बिप्पने सल्कार छाता तिकार-
निर्देश पिया गया है।

मात्रव के भौजन के क्लिये
हाथी अपुर्व साधन है। हाथी प्रपत्त को
संबोधित करके संघाटनीय रूप ने इसि
को बढ़ावा देकर खाद्य सुखला व पर्यावरण
संरक्षण दोषों को एक साध्य साधा आ सल्का-
र्ण।

17.

दिल्ली सहित भारत के कुछ क्षेत्र हिमालय में आने वाले भूकंपों के प्रभाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। विवेचना कीजिए। भारत में भूकंप से होने वाली हानि को कम करने के लिए कौन-से संस्थागत उपाय किए गए हैं? क्या आपको लगता है कि कुछ उल्लेखनीय कमियां अभी भी मौजूद हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Some regions in India, including Delhi, are highly vulnerable to the impact of earthquakes originating in the Himalayas. Discuss. What institutional measures have been taken to mitigate earthquake losses in India? Do you think there are significant gaps that still exist? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारी के
इस बाहरी में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

15

पृथ्वी के ग्रेड छेत्रों के

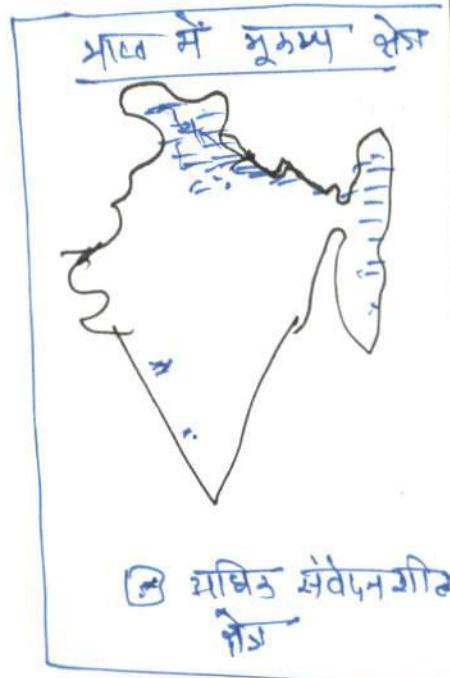
खेलने में महां उत्पन्न भूकम्प
कहाना है।

दिल्ली व हिमालय क्षेत्र का
मंवैपनशीलता →

① आस्थाय ऐसे थेर धूरणिया
छेत्र का प्राप्ति में
हुआ।

② हिमालय का अभी भी
प्रमाण ढोते हुए।

③ हिमालय द्वारा व दिल्ली क्षेत्र में निर्माण करना
जैसे बाध, सड़क, टनल → मुख्यलन →
भूकम्प के कारण मिलता है।



दानि → जल. मार की भूति
निर्माण भवनों में लाते
भूमि छाल

हामे को कम करने संस्थान डपाय

उमीदवारों को
इस बालिका में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

① राष्ट्रीय पापदा संबंधन प्रधिनियम द्वारा -

NDMA
SDMA
DDMA

का गठन किया गया है।

② भवन निर्माण मानक को लागू करना

③ NDMA द्वारा अपय-अपय पर नियंत्रण

④ एगई नेटवर्क २०१५ से लागू।

⑤ PM का १० सूचीय नियंत्रण।

अभी श्री उमियों →

① भूकम्प शमन पर विभिन्न ज्ञान के द्वारा
भूकम्प के प्रभार को कार्यवादी पर ज्ञान
ज्ञान देता।

② आम गांवों के परम्परागत और अनुच्छेद प्राप्त
अभियों को मासिन न करना।

③ स्थिर त्वरित करने के उपाय की
उमी

योगों को बाट

① १ हितधातु समुदायों को सुभाषि त्यक्षिकाण
स्थाप नरना

② तकनीकों का अधिक स्थोग

इसे दिखाएं
तीव्रता का
प्रोक्षण
समावृ व्यवस्था
का प्रगल्भाता

③ आपसा उे प्रबंधन को दुष्यात् बनाए सभी
विभागों में समावृ समन्वय करना

मुक्त्य इस तात्त्विक घरना है

किन्तु जागरीय गतिविधियों ने इसे भोर बढ़ा
पिया है, मुक्त्य का प्रबंधन करके इसे
होने वाले लाते को इस परिया जा अकता
है।

18. हाल ही में, वैज्ञानिकों ने परमाणु संलयन अभिक्रिया में निवल ऊर्जा लाभ की घोषणा की है, जिसे स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य के लिए एक बड़ी वैज्ञानिक सफलता माना गया है। परमाणु संलयन आधारित विद्युत उत्पादन के क्या लाभ हैं? व्यावसायिक स्तर पर विद्युत उत्पन्न करने के लिए इसके उपयोग की क्या सीमाएं हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Recently, scientists announced net energy gain in nuclear fusion reaction, which is considered as a major scientific breakthrough for the future of clean energy. What are the advantages of nuclear fusion based power generation? What are the limitations in using it to generate electricity at a commercial scale? (Answer in 250 words) 15

जो द्विते - द्विते परमाणुओं में संलयन
में बड़े परमाणु के निमाण होता है जिससे
अत्यधिक ऊर्जा में ऊर्जा उत्पन्न होता है,
इसे परमाणु संलयन ऊर्जा कहते हैं।



विद्युत उत्पादन के लाभ

- ① अत्यधिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है।
- ② ऊर्जा द्वारा प्रदित्त होता है। (1.5 - 2.0 घुणा)
- ③ कोई खतरनाक बाई सैइक्ट ना उत्पादन
मर्दों होता।
अंदे - परमाणु विध्युत ऊर्जा में रोड्योवर्सिव
पदार्थ बनता है।
- ④ रेडियेशन फ्रैक्चर का खतरा मर्दों होता है।
- ⑤ ऊर्जा के मांग के मुद्रण ऊर्जा की प्राप्ति
होती है।

⑥ भूमि दाता भेंगों के उत्पादन व उत्पर्जन
में क्यों आवश्यक है पूर्यावरण से बदला
को बदला मिलता है।

⑦ जीवाशम फँडों पर निर्भरता है।

⑧ घनिष्ठों (ज्ञा) का अनन नहीं करा पैदा

जिससे  अनन
बुख कराई
नहीं होगा।
गढ़ो वा निर्माण

सोमारे

① गत्यधिक पहुंची रक्तनीक है। (कई घरबाघर)

② वातावरण का निर्माण कठिन - ग्लोबेल रिधेंडर
द्वारा इस पर्यावरण व उत्पादन (लायफ्स)

को प्राप्त करना

③ एकमित देशों तक ही सीमित है।

उपा. - फ्रांस, USA.

④ एहले परमाणु विट्फोट फिर ताप में ज्ञा द्वारा
मेल्डन → पैदरी विधि

अग्नि को राह

→ दूरों तारा व मनुष्यधन व विकास करें
तकनीक के सरल बनाया जाए।
बस्ट हेल्प इंजीनियरिंग टीचर को
स्थापना किया जा सकता है।
इनीजों वा म्यानोटरण जैसे
राष्ट्रों के लिया जाना चाहिए।

प्रश्नोत्तर

परमाणु सेल्पन में विष्व की
स्फी के प्राप्तर्ते स्वभावी तरीके में किया
जा सकता है एवं पर्यावरण की भी असंभित
एवं अनवानु परिवर्तन को कम किया जा
सकता है।

19.

हालिया संशोधन को ध्यान में रखते हुए, भारत में धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के खतरे से निपटने में धन शोधन रोकथाम अधिनियम, 2002 की प्रभावकारिता का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Keeping in view the recent amendment, examine the efficacy of the Prevention of Money Laundering Act, 2002, in tackling the menace of money laundering in India. (Answer in 250 words)

उम्मीदवारी को
इस छात्रिक में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भारत मरकार इस धन शोधन के
उद्दर भूत्यार और प्रैविधि का धन पर
प्रतिबंध लाई वर्ष 2002 में धन शोधन रोकथाम
योग्यता दिया गया है।

दालिया संशोधन —

- ① सर्वरेन नियंत्रणालय (ED) को धन शोधन के संबंध में जांच करने की गमति का विस्तार।
- ② कानून को और प्रधिक व्यवस्था का

PMLA, 2002 का लाभ

- ① धर शोधन में कमी प्राप्त है।
2022 में 15% से कम।
- ② जालखाती के प्रैविधि घरों को बाजार में व्यापार करना हुआ है।
- ③ ट्रांजैक्शन में कमी प्राप्त है।

④ सोमापाद धर का मैत्रेय तकरी पर
लाभ लाभा था।

RBI द्वारा रिपोर्ट → लाभग (लाभ कोड
पहल।

नुस्खाएँ

① अपराधों का स्तरों द्वारे की पर बहुत
लम है -

2021 → 3.3%

2022 → 30%.

② राज्यों द्वारा केन्द्र पर ग्राहीप

- राजनीतिक उपयोग -
- सरकार की प्रस्तुति करना
- शर्म में बोधा छालना

③ राज्यों द्वारा मध्योग साह ने देखा

→ ④ कुशल भ्रमबल का व्यवाह -

राज्यों का मध्योग सेवे की प्रतिक्रिया
दीती है।

श्रावों को रखें

राजनीति में तुम्ह उसना चाहिये।

भ्रष्टाचार के राज्यों द्वारा सह्योग प्राप्त
करना चाहिये।

तुरन्तयोग को रोकना चाहिये।

छन का भवेध रूप में बाजार में
बजलना भ्रवेध य और कानूनी डायर है जिसे
रोकने में PMLA, 2002 ने व्यावी मूलिका
प्रदा करता था इसी है।

20. हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में मौजूद उन सुरक्षा खतरों पर चर्चा कीजिए, जिनका भारत के समुद्री सीमा संबंधी हितों पर सीधा असर पड़ता है। इन खतरों से निपटने के लिए एक मजबूत रणनीति सुझाइए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Discuss the security threats present in the Indian Ocean Region (IOR), which have a direct bearing on India's maritime border interests. Suggest a robust strategy to deal with these threats. (Answer in 250 words)

15

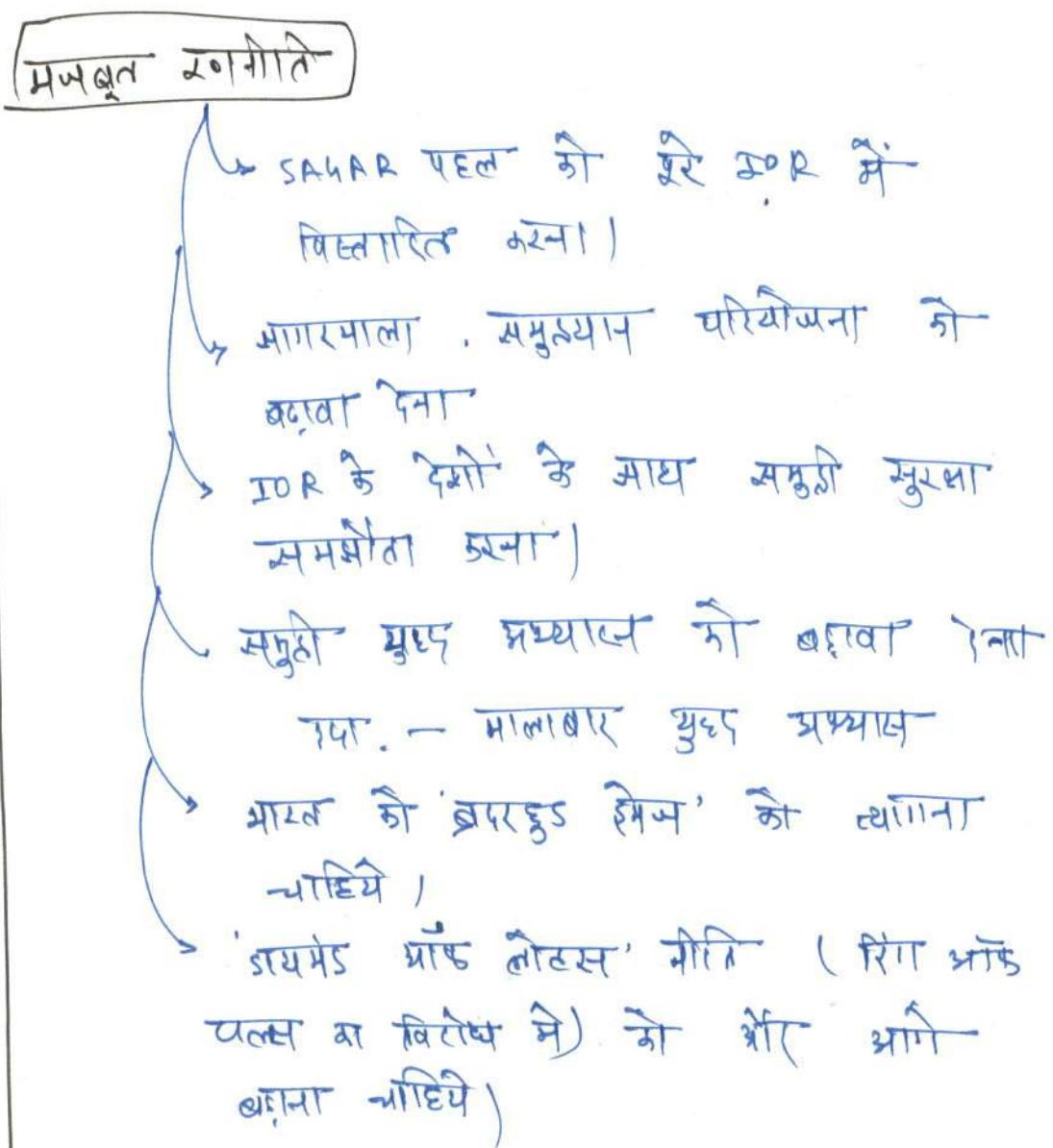
उम्मीदवारों को
इस प्रश्ने में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

अधीष्ठित रूप से भास्त दिए
मदालगार का सुरक्षा स्थिति है तथा इस क्षेत्र
में अपना वियोग रखता है।

अ) सुरक्षा खतरा

- ① चीन का बढ़ता शक्ति -
IOR के विभिन्न रूपों पर ऐच्छिक
उपर - फ्रीटोन के दमनदोला में।
- ② AVS का अपना हित -
AVS दलित इवं IOR में उत्तर
संसाधन को ध्यान में रखता है।
- ③ USA का स्थान → चीन को संतुलित
करने IOR में अपना शक्ति
वाला रहा है।
- ④ अर्द्धे समुद्री ट्रेन, लूह इत्यादि

- (5) भारत गोक्कुन इंडियन लैंग्जर व गोक्कुन क्रिप्टो
के मध्य → तटकरी, अर्द्ध व्यापार
में वृद्धि)
- (6) सीमा पार भारतवाद समूह के गले थे।
उपा. — 26/11 में प्रातःकी समूह भारी
में प्रवेश थे।



→ तरोय सेय जो मध्यबूत करना।

- माझ माझ और निकोबार होप समूह के
स्थान धियेकर कमाऊ को बढ़ाव देना
चाहिए।
- तमकरी में निपटने मधुमती ही पर
गतों को बढ़ावा।

भारत 5700 km समूह के
साथ सीमा छाना है जो मधुमती सुरक्षा के
लिए मुमेधता को बढ़ा देता है। समावी रणनीति
जो देशों के संघों के लिए को अपने
नियंत्रण में रखा रह सकता है।

SPACE FOR ROUGH WORK

1 ब्लू
2 स्पेस X

CBP इन्डिया टिकेट बुक - 1 ~

संस्कृत

